



कोऽनु स्यादुपायोऽत्र येनाहं दुःखतप्तानाम् ।
अन्तः प्रविश्य भूतानाम् भवेयं दुःखभाक् सदा ॥

(इस संसार में कौन सा उपाय होगा, जिससे मैं स्वयं प्राणियों के
अंतःकरण में प्रवेश करके उनके दुःखों से दुःखी हो जाऊँ)

www.abhyudayatrust.org



अभ्युदय जन कल्याण न्यास, हरियाणा

8571820670

abhyudayajankalyannyas@gmail.com

Abhyudayamisson

@BharatAbhyudaya



*"As we dreamt of life's joy, awakening
to the essence of service, we realized
that service itself is joy."*

- Tagore

Message

Our journey commenced in 2015 when a group of compassionate individuals resolved to embark on a noble mission for societal upliftment, starting with the Gade Lohar community in Gohana, Sonipat, Haryana. Focusing on their health, educating their children through the Sanskar Kendra, and launching a cleanliness drive, our humble efforts began.

Just like the proverbial journey of a thousand miles that starts with a single step, our initial strides slowly gathered momentum. Over time, something beautiful unfolded – the neighboring community acknowledged our efforts in maintaining cleanliness and, to our delight, spontaneously joined our cause. With the invaluable support of the local municipal counselor, we swiftly organized "Garbage Pick-up" services for the area.

During our activities, we encountered challenges – a few individuals chose to discard waste indiscriminately. Our Abhyudaya members gently guided them on responsible waste disposal, redirecting them to designated areas instead of littering the streets. Sadly, the Gade Lohar community, despite their genuine plea for cleanliness, faced resistance as they were reminded of their uncertain land ownership.

Our journey persisted, and in 2021, our dedication led to the establishment of the Abhyudaya Jan Kalyan Nyas as a registered trust. Today, we collaborate with doctors, medical students, and compassionate volunteers, actively addressing various societal issues in alignment with our trust's goals.

Presently, our initiatives encompass several projects: Project Dhadkan, Project Dristi, Project Muskan, Project Raktpoorna, Projects combating substance abuse and promoting cleanliness, Project Tree Plantation, and a scholarship scheme for deserving students.

This remarkable journey wouldn't have been possible without the unwavering commitment and collective spirit of our volunteers. Echoing the words from the iconic movie 'Pearl Harbour,' we firmly believe that 'there is nothing stronger than the heart of a volunteer.' I extend a heartfelt invitation to every empowered citizen to join hands with us, supporting our mission to turn our aspirations into reality.

Warm Regards

Dr. Yogender Malik

**PRESIDENT
ABHYUDAYA JAN KALYAN NYAS**



About Abhyudaya

Abhyudaya Jan Kalyan Nyas aims at Overall betterment of society by Grooming talent for working in all spheres of life with dedication for underprivileged and deprived. We wish to associate with more and more like-minded people and increase our sphere of working. We request all of you to join hands together and actively participate in upliftment of society.

On Going Activities

- Project Dhadkan
- Project Dristi
- Project Muskan
- Project Raktpoorna
- Nasha Mukta Sakahar Yukt Jivan
- Bhagat Phool Singh Memorial Scholarship Scheme
- Nomadic Tribe (Gadia Luhar) Health & Education Upliftment
- Swachta Abhiyaan
- Tree Plantation
- Abhyudaya Arogaya Kendra

Proposed Activities

- Health Policy Influencing Group
- Educational Activities for Needy
- Help Disabled People
- Fight against Malnutrition in Haryana
- Women Empowerment in Haryana
- Vocational and Skill Development of Needy
- Scholarship Fund for Needy
- Environment Friendly Practice Promotion
- Sports and Healthy Lifestyle Promotion

Project Dhadkan

Project Dhadkan aims to sponsor cardiac surgeries for the poor beyond the barriers of caste, creed, region, religion, race, language, gender, and colour.

The project intends to covers cardiac conditions like by-pass surgeries, Congenital Heart defects, Heart valve defects and Interstitial Lung diseases.

The organisation of camp involves a lot of meetings, training sessions for volunteer, pamphlet distribution, identification and registration of the sick and the needy. We have organised 3 camps till date benefits 70 villages, 30 beneficiaries.





हृदय रोग शिविर

दिल की सर्जरी के जरूरतमंद रोगी

“प्रोजेक्ट धड़कन”

कैम्प : 15 दिसम्बर 2019, रविवार (प्रातः 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक)
स्थान : अगिपेक मैमोरियल हॉस्पिटल, बरोडा रोड, गोहाणा

शिविर में प्रयत्नित वयस्क मरीज (आर्थिक रूप से कमजोर व पूर्व पंजीकृत रोगी) ही आर्ह जिनकी आर्थिक सहायता कर दिल्ली में इलाज करवाया जाएगा।

डॉ. राहुल चंदेला MBBS, MS, MCh (CVS) Specialist and senior post grad surgeon (Rings) (Transplant Specialist)	डॉ. आदित्य बत्रा MBBS, MD, DM (Cardiology) Professor and Asst Director (Chief Interventional Cardiologist) Holy Heart Hospital, Rohini	डॉ. वरुण गुप्ता MBBS, MD, DM (Cardiology) Professor and Asst Director Ashirwad Memorial Hospital Gurgaon
--	---	---

सम्पर्क :- डॉ. योगेन्द्र मलिक : 9996777559
आयोजक : अभ्युदय एवं नेशनल मेडिकल ऑर्गेनाइजेशन हरियाणा ब्यास



एन.एम.ओ. के शिविर में चिकित्सक एक हृदय रोगी की जांच करते हुए।
(अरोडा)

31 हृदय रोगियों की निःशुल्क जांच



ऑपरेशन धड़कन के तहत शिविर 15 को

जासं, गोहाणा: नेशनल मेडिकल

शिविर में 14 गांवों के 31 हृदय रोगियों की निःशुल्क जांच की

14 गांवों के 31 हृदय रोगियों की निःशुल्क जांच



परिचय के बाद, मुहूर्ताव के बाद के कैमरा
अवकाश के बाद, राहुल चंदेला ने राहुल चंदेला
का बरतन गुरु ने किया।
शिविर में 4 रोगियों की इलाज के लिए और 4
रोगियों की जांच के लिए जांच के दौरान में किया गए।
एन.एम.ओ. ने इसी साल यह शिविर गोहाणा में
दुपहर के बाद लगाया।
इस शिविर में अपने सेक्टर के वाले

Prevention is Better than Cure

This material is distributed in camps to make people aware about common ailments and prevention of non-communicable diseases.

Hypertension/High B.P. (उच्च रक्तचाप)

1. 30 प्रतिशत लोग आज-कल High B.P. से ग्रस्त हैं।
2. जब आपको ऊपर वाला B.P. (SYSTOLIC B.P.) 130mm Hg से ज्यादा तथा नीचे वाला B.P. (Diastolic B.P.) 80mm Hg से ज्यादा हो तो उसे उच्च रक्तचाप (Hypertension) कहते हैं।

लक्षण:-

बहुत से लोगों में B.P. बढ़ने पर सर दर्द होना या धुंधला दिखाई देना जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। जिनकी आयु 35 या 40 वर्ष से ऊपर है तथा वजन भी ज्यादा है, उन्हें 3-4 महीने में अपना ब्लड प्रेशर चेक करवाना चाहिए।

दुष्प्रभाव :-

हृदय (Heart) को अधिक B.P. के कारण अधिक काम करना पड़ता है। उच्च रक्तचाप के कारण दिल का दौरा, गुर्दे का काम न करना और रक्त वाहिनियों का कठोर होना जैसे गंभीर रोग हो सकते हैं। पर डरने की कोई जरूरत नहीं है, हम थोड़ी सी सावधानी बरत कर उच्च रक्तचाप की बिमारी से बच सकते हैं तथा जिनको उच्च रक्तचाप है, वो भी उसे कंट्रोल रख सकते हैं।

Hypertension (उच्च रक्तचाप) पर

नियंत्रण रखने के उपाय

1. डॉक्टर के निर्देश के अनुसार दवा नियमित लें।
2. डॉक्टरी जांच समय पर कराएँ (3-4 महीनों में एक बार)
3. अपना अतिरिक्त वजन घटावें।
4. तेलीय पदार्थ, मक्खन, घी, अचार जैसी चीजें कम खाएँ।
5. ज्यादा नमक वाला भोजन न खाएँ, सब्जी व सलाद में ऊपर से नमक न छिड़कें।

रहन-सहन में बदलाव

1. तनाव मुक्त रहें।
2. सिग्रेट पीना छोड़ दें।
3. शराब बन्द कर दें।
4. तम्बाकू व गुटका खाना बन्द कर दें।
5. सुबह-शाम टहलने की आदत।

डायबिटीज (मधुमेह)

डायबिटीज (मधुमेह/शुगर) एक हार्मोनल बिमारी है। जिसमें रक्त/खून में शुगर (ग्लूकोज) की मात्रा बढ़ जाती है। हम जो खाना खाते हैं, उसमें शुगर पाई जाती है। शुगर से ग्रस्त व्यक्ति के रक्त में शुगर का लेवल बढ़ जाता है। सामान्य व्यक्ति के ब्लड में ग्लूकोज का लेवल 70 से 100 mg/dl रहता है। खाना खाने के बाद यह लेवल 120-140 mg/dl हो जाता है।

1. Diabete से डरने की कोई जरूरत नहीं है। इससे बचाव किया जा सकता है और अगर किसी को शुगर हो भी जाती है, तो भी वह सामान्य जीवन जी सकता है। शुगर को कंट्रोल में रखा जा सकता है। शुगर से ग्रस्त व्यक्ति सन्तुलित आहार लें, समय पर दवाई लें तथा नियमित रूप से व्यायाम करें।
2. सन्तुलित आहार लेने से एवं शारीरिक गतिविधियाँ (Exercise) बढ़ा कर, डायबिटीज को 80 प्रतिशत तक रोका जा सकता है।
3. यह एक अनुवांशिक बिमारी है। यानी यदि परिवार में पहले से किसी को है, तो आपको भी हो सकती है।
4. इसीलिए 3 से 4 महीनों में 1 बार अपना शुगर लेवल जरूर चेक कराएँ।

डायबिटीज के लक्षण

1. अधिक प्यास लगना।
2. अधिक भूख लगना
3. अधिक मूत्र आना।
4. अचानक वजन बढ़ जाना।
5. लगातार कमजोरी और थकावट।
6. घाव भरने में समय लगना।

डायबिटीज हो जाने पर क्या करें:-

1. नियमित रूप से ब्लड शुगर की जांच कराते रहे (3 से 4 महीनों में एक बार)
2. दवाओं के सेवन को हल्के में ना लें, डॉक्टर के बताए हुए समय पर दवाई लें, दवाई बीच में छोडनी नहीं है।
3. सुबह-शाम टहलने की आदत डालें, जल्दी-जल्दी चलें।
4. डायबिटीज में असावधानी, बाद में घातक हो सकती है, इससे अस्थापन हो सकता है, या गुर्दे खराब हो सकते हैं, इसलिए पूरा ध्यान रखें।

डायबिटीज में किन खाने-पीने की चीजों का सेवन कम करें:-

चीनी, मिठाई, मुरब्बा, गुड़, आईस्क्रीम, मीठा बिस्कुट, तला हुआ भोजन, मक्खन, घी आदि।

खूब खाएँ-पीएँ:-

खूब पानी पीना चाहिए, सलाद / पत्तेदार सब्जियाँ, खट्टे फल, ककड़ी, प्याज, लहसून, काला चना आदि। डायबिटीज में छोटा सा जखम भी हो जाए तो उसकी तरफ ध्यान देना चाहिए तथा जल्द से जल्द उपचार कराएँ, नहीं तो यह जखम बड़ा रूप ले लेता है।

इस तरह छोटी-छोटी बातों का ध्यान रख कर हम अपना जीवन सुखमय बना सकते हैं।

ANAEMIA (खून की कमी)

खून में आयरन की कमी से हीमोग्लोबिन की कमी हो जाती है जिसे हम एनीमिया के नाम से जानते हैं। यह बीमारी पुरुषों की अपेक्षा महिलाओं में ज्यादा देखी जाती है। आयरन की कमी से शरीर में हीमोग्लोबिन की कमी हो जाती है और क्योंकि हीमोग्लोबिन ही फेफड़ों से ऑक्सीजन लेकर रक्त में ऑक्सीजन पहुंचाता है इसलिए हीमोग्लोबिन कम होने से शरीर में ऑक्सीजन की कमी होने लगती है। और शरीर को पर्याप्त ऊर्जा नहीं मिल पाती। लोग एनीमिया को कोई बीमारी नहीं मानते और इसे अनदेखा करते जाते हैं। लेकिन असल में इस बीमारी से जान भी जा सकती है।

एनीमिया के लक्षण

1. शरीर में थकान
2. नाखून पीले पड़ना
3. उठने बैठने और खड़े होने में चक्कर आना
4. काम करने का मन न करना
5. लेटकर उठने के बाद आँखों के सामने अंधेरा छाना
6. शरीर में तापमान की कमी
7. त्वचा में पीलापन
8. दिल की असामान्य और तेज धड़कन
9. सांस लेने की तकलीफ
10. सीने में दर्द
11. तलवों और हथेलियों में ठंडापन
12. लगातार रहने वाला सिर में दर्द

उपचार तथा रोकथाम

1. अगर एनीमिया मलेरिया या परजीवी कीड़ों के कारण है, तो पहले उनका इलाज करें।
2. लौह तत्वयुक्त चीजों का सेवन करें।
3. विटामिन 'ए' एवं 'सी' युक्त खाद्य पदार्थ खाएं।
4. गर्भवती महिलाओं एवं किशोरी लड़कियों को नियमित रूप से 100 दिन तक लौह तत्व व फॉलिक एसिड की 1 गोली रोज रात को खाना खाने के बाद लेनी चाहिए।
5. जल्दी जल्दी गर्भधारण से बचना चाहिए।
6. भोजन के बाद चाय के सेवन से बचें, क्योंकि चाय भोजन से मिलने वाले जरूरी पोषक तत्वों को नष्ट करती है।
7. काली चाय एवं कॉफी पीने से बचें।
8. संक्रमण से बचने के लिए स्वच्छ पेयजल ही इस्तेमाल करें।
9. स्वच्छ शौचालय का प्रयोग करें।
10. यदि आपके क्षेत्र में हुकवर्म काफी मात्रा में है तो नंगे पैर खेतों/जमीन पर न चलें।
11. खाना लोहे की कड़ाही में पकाएं।
12. शरीर में स्वस्थ लाल रक्त कण बनाने के लिए फोलिक एसिड की आवश्यकता होती है। फोलिक एसिड की कमी से एनीमिया की बीमारी होती है।

निम्नलिखित का सेवन करने से शरीर में फॉलिक एसिड की पूर्ति होती है।

- | | | |
|--------------------------------------|------------------|------------------------|
| 1. गहरे हरे रंग की पत्तेदार सब्जियां | 2. मूंगफली | 3. कुकुरमुत्ता (मशरूम) |
| 4. मटर व फलियाँ | 5. चोकर वाला आटा | 6. आलू |
| 7. दाले | 8. सूखे मेवे | 9. बाजरा |
| 10. गुड़ | 11. गोभी | 12. शलजम |

इस तरह छोटी-छोटी बातों का ध्यान रख कर हम अपना जीवन सुखमय बना सकते हैं।



Project Dristi



This project owes its origin to Netra Kumbh at Prayagraj in 2018. We have started screening the above 60 years population for near vision and provide them the spectacles on the spot.

The Dristi Project stands as a beacon of hope for individuals in need of vision correction yet hindered by economic constraints. This initiative embodies the altruistic spirit of providing clear vision to the under privileged, recognizing the profound impact that vision clarity holds in shaping lives and opportunities.

At its core, the Dristi Project is a testament to the recognition that access to clear vision is a fundamental right for all. Understanding the socioeconomic barriers that often prevent individuals from accessing essential eye care, this project strives to bridge the gap by providing spectacles and eye care services to those in need.



खानपुर कलां में लगाया पहला निःशुल्क शिविर

खानपुर कलां में पहला निःशुल्क शिविर ने 100 से अधिक व्यक्तियों को निःशुल्क चश्मा प्रदान किया। शिविर में लोगों की नज़रों पर परीक्षा की गई और उन्हें आवश्यक चश्मा प्रदान किया गया। शिविर में लोगों की नज़रों पर परीक्षा की गई और उन्हें आवश्यक चश्मा प्रदान किया गया।

गामड़ी गांव में 120 लोगों को दिए निशुल्क चश्मे

गामड़ी गांव में 120 लोगों को निःशुल्क चश्मे दिए गए। शिविर में लोगों की नज़रों पर परीक्षा की गई और उन्हें आवश्यक चश्मा प्रदान किया गया। शिविर में लोगों की नज़रों पर परीक्षा की गई और उन्हें आवश्यक चश्मा प्रदान किया गया।

आहुलाना में 120 बुजुर्गों को दिए निःशुल्क चश्मे

आहुलाना में 120 बुजुर्गों को निःशुल्क चश्मे दिए गए। शिविर में लोगों की नज़रों पर परीक्षा की गई और उन्हें आवश्यक चश्मा प्रदान किया गया। शिविर में लोगों की नज़रों पर परीक्षा की गई और उन्हें आवश्यक चश्मा प्रदान किया गया।

Project Muskan

This project is for more than 60 years old people who require denture and can't afford it. We go to villages and prepare casts there. The beneficiaries then come to Abhyudaya Arogya Kendra 2-3 times for measurements etc.

The Project Muskan embodies a heartfelt endeavor to ensure that individuals in need of dentures, yet constrained by financial limitations, receive the crucial dental care they deserve. Rooted in compassion and a commitment to uplifting lives, this initiative strives to restore not just smiles but also confidence and dignity to those facing dental challenges.

Understanding the significance of dental health in one's overall well-being, Project Muskan emerges as a beacon of hope for individuals unable to afford dentures. Dental issues not only affect oral health but also impact social interactions, self-esteem, and overall quality of life. Project Muskan aims to bridge this gap by providing accessible dental care solutions.



एन.एम.ओ. के प्रोजेक्ट मुस्कान में 10 बुजुर्गों को लगे मुफ्त जबड़े

गोहाणा, 21 मार्च (अनुराग) : नेशनल मैडिकल ऑर्गेनाइजेशन (एन.एम.ओ.) एवं अभ्युदय जन कल्याण न्यास के पदाधिकारियों द्वारा गोहाणा में बस स्टैंड के निकट संचालित अभ्युदय आरोग्य केंद्र में समीक्षा



एनएमओ के प्रोजेक्ट मुस्कान में 10 बुजुर्गों को लगे निशुल्क जबड़े

जाली, गोहाणा : नेशनल मैडिकल ऑर्गेनाइजेशन (एन.एम.ओ.) एवं अभ्युदय जन कल्याण न्यास के पदाधिकारियों द्वारा गोहाणा में बस स्टैंड के निकट संचालित अभ्युदय आरोग्य केंद्र में समीक्षा



एन.एम.ओ. के प्रोजेक्ट मुस्कान में 10 बुजुर्गों को लगे मुफ्त जबड़े

गोहाणा मुखिका, 21 मार्च : नेशनल मैडिकल ऑर्गेनाइजेशन (एन.एम.ओ.) एवं अभ्युदय जन कल्याण न्यास के पदाधिकारियों द्वारा गोहाणा में बस स्टैंड के निकट संचालित अभ्युदय आरोग्य केंद्र में समीक्षा



प्रोजेक्ट मुस्कान में 10 बुजुर्गों को लगे निःशुल्क जबड़े

समाजसेवी गुप्ता मुख्य अतिथि रहे, कार्यक्रम की अध्यक्षता डा. मलिक ने की

हरिद्वार, 21 मार्च : नेशनल मैडिकल ऑर्गेनाइजेशन (एन.एम.ओ.) एवं अभ्युदय जन कल्याण न्यास के पदाधिकारियों द्वारा गोहाणा में बस स्टैंड के निकट संचालित अभ्युदय आरोग्य केंद्र में समीक्षा



विशुल्क चिकित्सा (सामान्य) परामर्श

Project Raktpoorna

Abhyudaya Jankalyan Nyas has always believed in the idea of team work combined with community participation to make any project self sustainable and efficient, the accurately structured 'Arogya Gram – Anemia Mukht gram' project stands a testimony to this. Our trust has prioritized activities for early detection and prevention of Anemia, as this being a serious public health problem in our country affecting every second female of rural India. On these lines, we had launched Arogya Gram Yojna in 2017 under which the rural female population of Haryana state is screened by laboratory testing for early detection of anaemia and further appropriate treatment is provided to the affected patients. Regular health education and promotional activities are organized in the most affected areas by the trust.

The trust has also volunteered to work in Netra Kumbh at Prayagraj, under which teams of Doctors are conducting eye check-up for refractory errors and other diseases among visitors of Netra Kumbh at Prayagraj, 2019. The trust also conducts free medical camps under the banner of Samar Veer Gokula Swasthya Sewa Yatra. The medical teams of the trust moves from village to village in state Haryana to provide health services free of cost to the affected people, especially for treatment of Diabetes and Hypertension being the major diseases among adult and elderly population. Additionally, health promotion and education sessions are organized for the villagers related to common diseases. During these tough COVID 19 pandemic too Abhyudaya was continuously working and extending helping hand to the needy across the country.



Abhyudaya Arogya Kendra

The Abhyudaya Trust, renowned for its unwavering commitment to community welfare and healthcare enhancement initiatives, proudly announces the opening of the Abhyudaya Arogya Kendra in Gohana. This momentous occasion marks a significant step forward in the trust's relentless pursuit of its core objectives.

The newly established Abhyudaya Arogya Kendra stands as a beacon of hope and a testament to the trust's unwavering dedication to fostering accessible and comprehensive healthcare services within the community. The inception of this healthcare center echoes the trust's mission to ensure quality healthcare reaches every doorstep, particularly in under served areas.



Bhagat Phool Singh Memorial Scholarship Scheme

The Bhagat Phool Singh Scholarship Scheme stands as a testament to the belief that education is a transformative force capable of breaking barriers and unlocking doors to a brighter future. By offering financial assistance, this initiative aims to alleviate the financial burden on students and enable them to pursue their academic goals with vigor and determination.

Through this scholarship, deserving students are empowered to access quality education, which might otherwise have been beyond their reach. This support goes beyond monetary assistance; it signifies belief and investment in the potential and future of these students, fostering a sense of empowerment and confidence.



भगत फूल सिंह स्कॉलरशिप स्कीम 2023-24

रु. 60000/- सालाना
अधिकतम 4 जरूरतमंद बच्चों के लिए
सिलेक्शन मैरिट आधार पर कमेटी द्वारा

Courses:

MBBS, Engineering, Post Graduation
Courses in Universities etc.

Registrations are
OPEN now!

कृपया रजिस्टर करें

Last Date: 31st March 2023

पंजीकरण वेबसाइट के माध्यम से
एवं अधिक जानकारी के लिए :-

www.abhyudayaatrust.org

अभ्युदय जनकल्याण न्यास, गोहाना (सोनीपत)

8571820670 AbhyudayaMission @BharatAbhyudaya abhyudayaankalyannayas@gmail.com

Nomadic Tribe (Gadia Lohar) Health & Education Upliftment

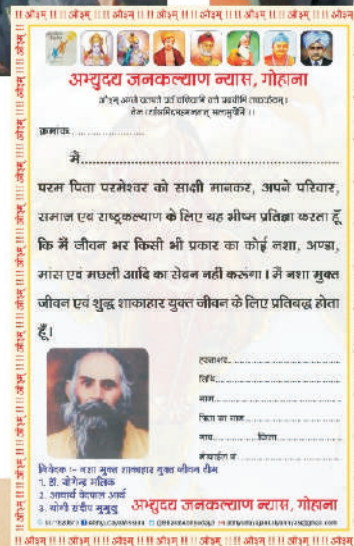
The Gadia Lohar Project embarks on a heartwarming journey centered around fostering connections and camaraderie by befriending the Gadia Lohar community. This initiative is grounded in the spirit of solidarity, aiming to create meaningful bonds through shared moments, meals, and interactions with the Gadia Lohar families. Understanding the significance of personal connections and cultural exchanges, the Gadia Lohar Project seeks to bridge gaps and build bridges of friendship. By spending time with the Gadia Lohar community, sharing meals, and engaging in conversations, this initiative endeavors to create an atmosphere of mutual understanding and warmth.



Nasha Mukta Sakahar Yukt Jivan

The Drug Free Vegetarian Life Campaign is a holistic initiative that advocates for a lifestyle focused on wellness, devoid of substance abuse and embracing vegetarianism. Rooted in the principles of health and harmony, this campaign aims to raise awareness and promote the adoption of a drug-free lifestyle coupled with the benefits of a vegetarian diet.

At its essence, the campaign is a movement that encourages individuals to embrace a lifestyle free from harmful substances while embracing the nourishment and vitality offered by a vegetarian diet. It recognizes the intrinsic link between one's dietary choices and their overall well-being, aiming to foster a culture that prioritizes health and conscious living.



Tree Plantation

Project Tree Plantation stands as a pivotal initiative, symbolizing our unwavering dedication to cultivating a more sustainable and vibrant environment through the strategic planting and nurturing of trees. This project encapsulates our profound commitment to counteracting the detrimental effects of deforestation, tackling the challenges posed by climate change, and fostering the growth of a thriving, sustainable ecosystem.

At its core, this initiative is a proactive step toward restoring and enhancing greenery in our surroundings. Through the deliberate and strategic planting of trees, we aim not only to replenish lost green cover but also to promote biodiversity, mitigate environmental degradation, and mitigate the impacts of climate change.



Report

2021 - 2022

Project Dristi

Total Camps - 12

Total Patients - 6566

Spectacles Distributed - 4595

Project Muskan

Total Camps - 12

Denture Patients - 1257

Denture Distributed - 193

Project Nasha Mukti

Sakahar Yukt Jivan

Total Vows - 240

Tree Plantation

Village - 26

Tree Plants - 2300

Bhagat Phool Singh Scholarship Scheme

Total Beneficiaries - 1

2022 - 2023

Project Dristi

Total Camps - 6

Total Patients - 8458

Spectacles Distributed - 5622

Project Muskan

Total Camps - 5

Denture Patients - 900

Denture Distributed - 74

Project Nasha Mukti

Sakahar Yukt Jivan

Total Vows - 150

Tree Plantation

Village - 26

Tree Plants - 2300

Bhagat Phool Singh Scholarship Scheme

Total Beneficiaries - 1

Total Camps in Three Years

Project Drishti - 18

Project Muskan - 11

Tree Plantation - 26

Nasha Mukti Sakahar Yukt Jivan - 390

Bhagat Phool Singh Scholarship Beneficiaries - 2



"As we dreamt of life's joy, awakening to the essence of service, we realized that service itself is joy." TAGORE

Address:

**453/12 Vishnu Nagar, Gohana
(Haryana)-131301**

Contact with us: 8571820670

 <https://www.abhyudayatrust.org/>

 info@abhyudayatrust.org

 [abhyudayaMission](#)

 [BharatAbhyudaya](#)

**You can make a donation to help us reach our goal
SBI Gohana**

Account No.: 40969525316

IFSC Code: SBIN0050100

Donations exempt under 80G